मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सीतापुरा में जूलरी एसोसियन द्वारा आयोजित ''जस-2024'' का उद्घाटन किया।

'राजस्थान के कुल निर्यात में रत्न आभूषणों की हिस्सेदारी 11,183 करोड़ रूपए रही है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रत्न आभूषणों की प्रदर्शनी ''जस 2024'' का उद्घाटन करते हुए कहा

- **शर्मा ने कहा कि, जयपुर आभूषण उद्योग का दिल है, यहाँ के कारीगरों द्वारा बनाए गए आभूषणों की विश्व भर में विशिष्ट पहचान है।**
- **मुख्यमंत्री ने केन्द्र सरकार के सहयोग से जैम्स एण्ड जूलरी पार्क स्थापित करने की घोषणा की, जिससे एक लाख रोज़गार सृजित होंगे।**
- **मुख्यमंत्री ने उद्घाटन कार्यक्रम में जैम्स वर्ल्ड मैगजीन का विमोचन भी किया।**

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। शुक्रवार को जूलरी एसोसिएशन द्वारा सीतापुरा स्थित जे.ई.सी.सी. में आयोजित ''जस-2024'' के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुलाबी नगरी जयपुर विश्व पटल पर रत्न आभूषणों के लिए विख्यात है। जैम्स जूलरी बिजनेस राज्य की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है, साथ ही रोजगार सृजन का भी मुख्य साधन है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस उद्योग को बढ़ावा देने तथा उद्यिमयों के लिए व्यापार को सुगम बनाने के लिए निरंतर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि जयपुर में बनाए गए आभूषण दुनियाभर में अपनी खूबसूरती और शिल्प कौशल के लिए पहचाने जाते हैं। इसी वजह से राज्य सरकार द्वारा ''एक जिला एक उत्पाद'' योजना के तहत जयपुर में रत्न एवं आभूषणों को चिन्हित किया गया है। जिसके तहत राज्य सरकार इस क्षेत्र को और अधिक विकसित बनाने के लिए कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में राजस्थान के कुल निर्यात में रत्न-आभूषणों की हिस्सेदारी 11 हजार 183 करोड़ रुपये की रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने सोने के आभूषणों की हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाया है। इससे आभूषण उद्योग और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर जैम्स एण्ड जूलरी पार्क स्थापित किया जाएगा, जिससे 1 लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में कारीगरों का प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक एवं शोध में निवेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिससे यह उद्यम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू सके। शर्मा ने कहा कि जयपुर के कारीगरों द्वारा बनाई गई जूलरी को देश-विदेश में अपनी एक अलग पहचान मिलती है क्योंकि जयपुर आभूषण उद्योग का हृदय है। उन्होंने उद्यमियों से आ ान किया कि वे इस उद्योग में लगे कारीगरों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए और अधिक कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने जैम्स वर्ल्ड मैग्जीन का लोकार्पण किया तथा वहां लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने प्रदर्शनी के माध्यम से जयपुर की जूलरी को शोकेस करने हेतु मंच उपलब्ध कराने के लिए आयोजनकर्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर विधायक कल्पना देवी, जूलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष आलोक सौंखिया, नेशनल काउंसिल ऑफ इंडिया जेम्स एंड जूलरी के अध्यक्ष प्रमोद डेरेवाला, जूलर्स एसोसिएशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष निर्मल बरड़िया सहित बड़ी संख्या में इस क्षेत्र से जुड़े उद्यमी मौजूद थे।

मालपुरा में 13 इंच बरसात, 44 साल का रिकॉर्ड तोड़ा

गुरुवार मध्यरात्रि से शुरु होकर दस घंटे लगातार बरसात हुई

- **सहोदरा नदी के उफान में फंसे तीन युवक, चार घंटे चला बचाव कार्य।**
- **तीन दर्जन से अधिक मकान गिरे, दो दर्जन मवेशियों की मौत।**
- **मालपुरा शहर व कई गांव जलमग्न हो गये। बिजली के केन्द्रों पर पानी भर जाने और बिजली के खम्भे टूट जाने से विद्युत वितरण व्यवस्था भी ठप्प हो गई।**

मालपुरा, 5 जुलाई (निसं)। गुरूवार की मध्य रात्रि के बाद तेज गर्जना के साथ शुरू हुई मूसलाधार बरसात ने 44 साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुये तबाही का कहर बरपाया। अस्सी के दशक में हुई तबाही का मंजर एक बार फिर 2024 में देखने को मिला। शुक्रवार दोपहर तीन बजे तक लगातार बारिश जारी रहने से शाम 4 बजे तक मालपुरा में 13 इंच से अधिक बरसात दर्ज की गई।

नगरपालिका प्रशासन द्वारा मानसून पूर्व बरसाती नालों की सफाई नहीं करवाने, नालों पर हुये अतिक्रमण नहीं हटाने और आपदा प्रबंधन के इंतजाम नहीं करने का खामियाजा शहरवासियों को तबाही के रूप में भुगतना पड़ा है। शहर व गांव की सड़कें दरिया बन गईं, आवासीय कॉलोनियाँ व कई गांव टापुओं में तब्दील हो गये तथा 132 केवी जी.एस.एस. स्टेशन पर भारी मात्रा में पानी भर जाने से दस घंटे तक मालपुरा शहर अंधेरे में डूबा रहा। ग्रामीण क्षेत्र में दर्जनों विद्युत पोल टूट जाने से विद्युत व्यवस्था ठप्प हो गई। शहर के नवीन मंडी, महावीर मार्ग, ट्रक स्टेण्ड, बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन, पुरानी तहसील, मीर कॉलोनी, बृजलाल नगर, दूदू रोड की सड़कें दरिया बन गईं। मकानों व दुकानों में चार से पांच फीट पानी भर जाने से लोगों को करीब 3 करोड़ से अधिक आर्थिक नुकसान हुआ है। विद्युत पोल धराशायी होने के साथ-साथ चांदसेन, अम्बापुरा, मालपुरा कस्तूरबा बालिका विद्यालय, सरकारी अस्पताल, टाउन नम्बर 5 स्कूल सहित दर्जनों सरकारी भवनों की चार दीवारी व कमरे धराशायी हो गये। साथ ही दो दर्जन से अधिक मवेशी अकाल मौत का शिकार हो गये। डेयरी प्लांट के एक दर्जन पोल व डीपी पानी में बह गये। आसमान से बरसी आफत व तबाही से चारों और चीख पुकार शुरू हो गई। स्थानीय प्रशासन लोगों को राहत पहुंचाने में बेबस व लाचार नज़र आया।

रिकॉर्ड बरसात के कारण शहर के प्राचीन बम्ब तालाब व झालरा तालाब में हुई पानी की भारी आवक से महज छः घंटों में तालाब पर चादर चल गई। रेल्वे स्टेशन की कॉलोनियों में गले तक पानी भर जाने से वाहन पानी में तैरते नजर आये। सिंचाई विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार, शाम चार बजे तक मालपुरा व चांदसेन में 13 इंच से अधिक बरसात हुई। क्षेत्र के प्रमुख बांधों में पानी की भारी आवक से केरवालिया व कलमंडा बांध पर चादर चल गई।

टोरडी सागर बांध में 20 फीट, चांदसेन में 14 फीट, किरावल में 4 फीट, लाम्बाहरिसिंह में 8 फीट पानी की आवक हुई। चांदसेन की जैलमियां ढाणी में मकान की दीवार ढह गई जिसके नीचे दबकर 9 बकरियाँ मर गईं। कल्याणपुरा में पक्का मकान धराशायी हो गया। अजमेर रोड श्मशान घाट की दीवार का लम्बा भाग धराशायी हो गया। अम्बापुरा स्कूल के चार कमरे धराशायी हो गये। सहोदरा नदी में पानी की भारी आवक व उफान के कारण तीन युवक ट्रैक्टर के साथ नदी के बीच में फंस गये। सूचना मिलने पर तहसीलदार राहुल पारीक ने मय जाप्ते के मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों के सहयोग से बचाव कार्य शुरू किया। तकरीबन चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ड्रोन की सहायता से नदी के बीच फंसे युवकों तक रस्सी पहुँचाई गई जिसके सहारे युवकों को सुरक्षित नदी से निकाला गया।

इसी प्रकार नारेडा विद्यालय में ड्यूटी के लिये जा रहा शिक्षक साजिद खान बाइक सहित पानी के बहाव में बह गया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत करके शिक्षक की जान बचाई। दर्जनों दुपहिया व चौपहिया वाहन पानी में बह गये। कई गांव-ढाणियों के सड़क मार्ग टूट जाने से आवागमन बंद हो गया। बारह घंटे तक चले तबाही के मंजर के बावजूद जिला स्तरीय अधिकारियों ने मालपुरा पहुंच हालात का जायजा लेना मुनासिब नहीं समझा।

पूर्व विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में मलिंगा सहित अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन बाद में उन्हें जमानत दी गई। जमानत मिलने के बाद उसने याचिकाकर्ता को धमकाया और जुलूस निकाल कर कानून का मजाक उड़ाया। इसके अलावा मलिंगा ने अदालत में गलत तथ्य पेश कर जमानत ली है। मलिंगा के खिलाफ गवाह को धमकाने को लेकर एफ.आई.आर. भी दर्ज हुई है। याचिकाकर्ता घटना के बाद से अस्पताल में भर्ती है। ऐसे में आरोपी को मिली जमानत को रद्द किया जाए।

सरकारी वकील शेरसिंह महला ने भी याचिकाकर्ता के तथ्यों पर सहमति जताते हुए आरोपी की जमानत रद्द करने की गुहार की, जिसका विरोध करते हुए मलिंगा की ओर से कहा गया कि उन पर लगाए गए आरोप झूठे हैं और उन्होंने जमानत का दुरुपयोग नहीं किया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी मलिंगा को मिली जमानत को रद्द कर उसे सरेंडर करने को कहा है। गौरतलब है कि मलिंगा के खिलाफ याचिकाकर्ता ने मार्च 2022 में मारपीट व एससी-एटी एक्ट में केस दर्ज कराया था। इसमें मलिंगा पर आरोप लगाया था कि विभाग के ऑफिस में मीटिंग के दौरान मलिंगा और उनके साथ 5-6 लोग आए और उन्होंने उनके साथ मारपीट की। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें एस.एम.एस. अस्पताल में भर्ती कराया गया।

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष नड्डा से मिले

दस दिन बाद पुनः दिल्ली जाएंगे किरोड़ी लाल मीणा

- **डॉ. मीणा के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनसे इस्तीफा देने का कारण पूछा था।**
- **मीणा ने नड्डा को बताया कि, जिस क्षेत्र में 40-45 साल से सेवा कर रहा हूँ वहां लोग मुझसे विमुख हो गए, यह मुझे बर्दाश्त नहीं है।**
- **किरोड़ी ने नड्डा से यह भी कहा, लोकसभा चुनाव में मैंने कहा था कि, प्रत्याशी को जिता नहीं पाया तो इस्तीफा दूँगा, मेरी क्रैडिबिलिटी बनी रहे इसलिए इस्तीफा दिया।**

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। प्रदेश में मंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद डॉ किरोड़ीलाल मीणा शुक्रवार को दिल्ली गए। दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से उनके आवास पर हुई मुलाकात के बाद भी किरोड़ीलाल मीणा अपने इस्तीफे के स्टैंड पर कायम हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा से मिलने के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि मैंने इस्तीफा बहुत पहले दे दिया था। उजागर कल किया था, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मुझे 11:15 पर मिलने बुलाया था। उन्होंने मुझसे पूछा इस्तीफा क्यों दिया, मैंने कहा एक ही कारण है कि मैं 40-45 साल से जिस क्षेत्र में सेवाएं दे रहा हूं, न दिन देखा न रात देखा, न गर्मी न सर्दी देखी। वो लोग मेरे से विमुख हो गए, यह चीज मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता। नैतिकता के नाते मंत्री पर छोड़ दिया, क्योंकि मैंने लोकसभा चुनाव में इसकी घोषणा की थी।

मीणा ने कहा कि मैं अपने विधानसभा और संसदीय क्षेत्र में पार्टी को जीत नहीं दिला सका यही कारण है और कोई कारण नहीं है। इस्तीफा वापसी के सवाल पर कहा कि यह अलग बात है, 10 दिन बाद मिलूंगा, फिर बताऊंगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुझे इस्तीफे से मना किया था, कहा था कि मेरे साथ रहना जरूरी है। क्योंकि मैंने जनता के बीच में घोषणा की थी तो मेरी क्रेडिबिलिटी बनी रहे, रिलायबिलिटी बनी रहे, वचन दिया था वह पूरा होना चाहिए, इसलिए इस्तीफा दिया।

डॉ. किरोड़ी ने कहा कि यह बात सही है कि इमरजेंसी में मोदी के साथ काम किया है, मैं मीसा में भी बंदी रहा हूं, यातनाएं भी बहुत दी गईं। मैं पार्टी लाइन नहीं छोड़ता, पार्टी के अनुशासन में रहता हूं। मोदी मुझे बहुत स्नेह करते हैं, मित्रवत संबंध रखते हैं, मैं भी उनका बहुत आदर करता हूं।

मीणा अपने भाई को दौसा से टिकट दिए जाने की पैरवी के सवाल पर किरोड़ीलाल ने कहा कि यह गलत है, ऐसी कोई बात नहीं है। चुनाव में जहां भी मेरे को भेजा जाएगा, मैं वहां काम करूंगा। तीन उप चुनाव ऐसे क्षेत्रों में हैं, जो एसटी बाहुल्य क्षेत्र हैं, मैं वहां काम करूंगा। हम उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। हम पद के लिए राजनीति में नहीं आए, पद की मेरी कोई चाहत नहीं है। किसी से कोई नाराजगी नहीं है। हम तो राष्ट्रभक्ति के भाव से काम करने आए हैं, यह संस्कार है देश कैसे मजबूत हो, उसके लिए पद मिले तो काम करना, न मिले तो भी काम करना है।

महुआ मोइत्रा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खान ने, उसी तर्क के आधार पर कहा था कि राष्ट्रपति भवन तथा संसद भवन भी ढहा दिए जाने चाहिए क्योंकि ये भी ''दासता के प्रतीक हैं'' सच तो यह है कि इस प्रकार के विवादास्पद बयानों की सूची बहुत लम्बी है।

मोइत्रा की टिप्पणी के सम्बन्ध में एनसीडब्ल्यू ने एक्स पर की गई एक पोस्ट में कहा है ''एनसीउब्ल्यू ने एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन के खिलाफ मोइत्रा की अपमानजक टिप्पणी का स्वप्रेरित संज्ञान लिया है। यह भद्दी टिप्पणी घोर अपमानजक तथा नारी की गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है तथा यह टिप्पणी ''भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 79 का ध्यान आकर्षित करती है। उनके खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज होनी चाहिए तथा तीन दिन के अन्दर आयोग को दस सम्बन्ध में हुई कार्यवाही की विस्तृत रिपोर्ट मिल जानी चाहिए।

2024 के लोकसभा चुनाव में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वर्षों से मध्यप्रदेश कांग्रेस को संचालित एवं नियन्त्रित करते रहे हैं।

परिणाम यह हुआ कि मध्यप्रदेश में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकी तथा कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ भी अपनी पुश्तैनी सीट छिंदवाड़ा गंवा बेठे। ज्ञातव्य है कि इस सीट पर कांग्रेस 1953 से नहीं हारी थी।

कमलनाथ और उनके बेटे भाजपा में करीब-करीब शामिल हो गए थे लेकिन मामला बिगड़ गया तथा वे वापस कांग्रेस में ही बन रहे। और इस प्रकार उनकी विश्वसनीयता लगभग समाप्त हो गई।

उनका बेटा दूसरा कमलनाथ नहीं हो सकता और जहाँ तक कांग्रेस नेतृत्व का प्रश्न है, कमलनाथ के दिन राजनैतिक रूप से लद गये हैं जबकि तथ्य यह था कि वे गांधी परिवार के बहुत नजदीक थे तथा वे कुछ कह देते थे या जो भी चाहते थे, वह अपने आपमें अन्तिम एवं निर्णायक माना जाता था तथा कोई उसे काट नहीं सकता था।

वे दिन अब गुज़र चुके हैं और कमलनाथ भी अब राजनैतिक रूप से समाप्त प्राय: ही है।

राहुल गांधी के नेतृत्व के चलते वे ताकतवर क्षेत्रीय क्षत्रप, जिनकी साख समाप्त हो गई है तथा जिनका ट्रैक-रिकॉर्ड संदिग्ध रहा है, अब नहीं चल सकते तथा उनके स्थान पर अब युवा और ज्यादउा विश्वनीयत नेता कभी राज्यों में केन्द्रीय भूमिका में दिखाई देंगे।

कांग्रेस में राहुल गांधी के और भी ज्यादा ताकतवर होते जाने के साथ, यह मान कर चलना सुरक्षित है कि इस बात का निर्णय वे ही लेंगे कि आगामी दिनों में कौन अन्दर रहेगा और कौन बाहर जायेगा।

डॉ. सतीश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रभारी नियुक्ति किया है। उत्तरप्रदेश से राज्यसभा सांसद सुरेंद्र सिंह नागर को प्रदेश सह प्रभारी नियुक्त किया गया है।

लोकसभा चुनावों में भी पार्टी ने सतीश पूनिया को हरियाणा का चुनाव प्रभारी नियुक्त किया था। चुनाव के दौरान सतीश पूनिया की सक्रियता ने खासी सुर्खियां बटोरी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा की सफल रैली आयोजित कराई। लेकिन हरियाणा में भाजपा इस बार क्लीन स्वीप नहीं कर पाई।

हरियाणा में 2019 में भाजपा ने दस सीटें जीती थी, लेकिन इस बार भाजपा 5 सीटें ही जीत पाई थी। लेकिन अब होने वाले विधानसभा चुनावों में पार्टी ने सतीश पूनिया को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी हैं।

- **हरियाणा में विधानसभा चुनावों से पूर्व राजस्थान में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पूनिया को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दिए जाने के राजनैतिक मायने निकाले जा रहे हैं।**

महेंद्र सिंह को मध्यप्रदेश का, नितिन नवीन को छत्तीसगढ़ का, विनोद तावडे को बिहार का, लक्ष्मीकांत वाजपेई को झारखंड का, कर्नाटक में राधा मोहन दास अग्रवाल, विजय रुपाणी को पंजाब का, श्रीकांत शर्मा को हिमाचल का, विजय सिंह तोमर को उड़ीसा का, अरुण चुघ को जम्मू कश्मीर का, प्रकाश जावेडकर को केरल का, संबित पात्रा को उत्तर पूर्व का प्रभार, आशीष सूद को गोवा का प्रभारी बनाया गया है।

'पॉक्सो कानून बने 2 साल हो गए पर फिर भी डी.एन.ए. जाँच के लिए पर्याप्त लैब क्यों नहीं?'

राजस्थान हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा

- **राजस्थान हाई कोर्ट ने पॉक्सो प्रकरणों में अनुसंधान में देरी और डी.एन.ए. रिपोर्ट देर से आने पर चिंता जताई।**
- **हाई कोर्ट ने कहा, ऐसे केस में मंत्री 3 माह में जांच कराने का बयान देते हैं पर 6 माह तक मामला एफ.एस.एस. में ही नहीं जाता, दो-दो साल तक जाँच रिपोर्ट नहीं आती। इस वजह से पॉक्सो केस दस-दस साल तक चलते रहते हैं।**
- **हाई कोर्ट के महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि, राज्य सरकार डी.एन.ए. एवं एफ.एस.एल. जाँच के लिए बेहद गंभीर है और आगामी बजट में इस तरह की लैब्स के लिए बजट भी आवंटित करवाया जाएगा।**

जयपुर, 5 जुलाई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पॉक्सो प्रकरणों में अनुसंधान में देरी और डी.एन.ए. रिपोर्ट समय पर नहीं आने पर गंभीर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि पॉक्सो कानून बने 12 साल बीत गए हैं, लेकिन अभी तक डी.एन.ए. जांच के लिए पर्याप्त प्रयोगशाला ही नहीं है।

अदालत ने कहा कि सरकार के मंत्री बयान देते हैं कि तीन माह में न्याय कराएंगे, लेकिन पुलिस छह माह तक प्रकरण को एफ.एस.एल. में ही नहीं भेजती। वहीं दो-दो साल तक इसकी रिपोर्ट नहीं आती। इस वजह से दस साल तक पॉक्सो केस लंबित रहते हैं, जबकि कानून में इन प्रकरणों को निस्तारित करने की समय सीमा तय की गई है। अदालत ने कहा कि जिन छोटी बच्चियों से दुष्कर्म हुआ है, उन पर क्या बीतती होगी। जस्टिस उमाशंकर ने यह टिप्पणी पॉक्सो प्रकरण से जुड़े एक मामले में की। अदालत ने राज्य सरकार को कहा कि वह इस संबंध में उचित कदम उठाए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद को बुलाकर पूछा कि एफ.एस.एल. और डी.एन.ए. रिपोर्ट समय पर क्यों नहीं आ रही। महाधिवक्ता ने कहा कि जांच रिपोर्ट समय पर लाने के लिए कई जगहों पर प्रयोगशालाएं खोली गई हैं। राज्य सरकार डी.एन.ए. और एफ.एस.एल. जांच को लेकर गंभीर है। इसके अलावा आगामी बजट में भी नई प्रयोगशाला के लिए बजट में राशि मंजूर करवाई जाएगी। महाधिवक्ता ने अदालत को आश्वस्त किया कि एफ.एस.एल. और डी.एन.ए. रिपोर्ट को कम समय में कोर्ट में पेश करवाया जाएगा, ताकि केसों की सुनवाई जल्दी पूरी हो सके।

केन्द्र ने नीट -यूजी परीक्षा दोबारा कराने का सुप्रीम कोर्ट में विरोध किया

नयी दिल्ली, 05 जुलाई। केन्द्र सरकार ने स्नातक स्तर के मेडिकल समेत कुछ अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए हुई नीट 2024 और इसके घोषित किए गए परिणाम को रद्द कर इसे दोबारा आयोजित कराने की मांग वाली याचिकाओं का उच्चतम न्यायालय में विरोध किया है। केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत में एक हलफनामा दायर कर अपना पक्ष रखते हुए इन याचिकाओं का विरोध किया है। सरकार ने कहा है कि इस अखिल भारतीय परीक्षा की बड़े पैमाने पर गोपनीयता भंग होने के किसी भी सबूत के अभाव में नीट यूजी परीक्षा पूरी तरह से रद्द करने से लाखों अभ्यार्थियों को गंभीर नुकसान होगा। शिक्षा मंत्रालय ने कहा, अखिल भारतीय परीक्षा में गोपनीयता के बड़े पैमाने पर उल्लंघन के किसी भी सबूत के अभाव में पूरी परीक्षा और पहले से घोषित परिणामों को रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा।

पहली बार लेबर पार्टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दृष्टिकोण को रेखांकित करते रहे हैं।

उनके इन मनोभावों का उद्देश्य आपसी विश्वास को बढ़ाना और ब्रिटिश-इण्डियन कम्युनिटीज़ में समाहित होना है क्योंकि उनकी जनसांख्यिकी लेबर पार्टी की चुनावी गणित के लिए महत्वपूर्ण है।

पिछले वर्ष आयोजित इण्डिया ग्लोबल कोरम (आई.जी.एम.) में स्टारमर ने लेबर पार्टी के भारत यू.के. दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए घोषणा की थी कि ''आप सभी के लिए मेरा एक स्पष्ट संदेश है। लेबर पार्टी की मेरी सरकार हमारे साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और आकांक्षाओं के आधार पर भारत के साथ संबंध स्थापित करेगी।''

स्टारमर ने किंग्सबरी स्थित श्री स्वामीनारायण मंदिर की यात्रा के दौरान हिंदू विरोधी हेट क्राइम्स के खिलाफ कड़ा रूख अपनाने के संकेत देते हुए घोषणा की कि ''हिंदू फोबिया के लिए ब्रिटेन में कोई स्थान नहीं है।''

पिछले मुद्दों, खासकर कश्मीर पर लेबर पार्टी के रूख को स्वीकार करते हुए उन्होंने अपनी पार्टी के भीतर के ऐसे चरमपंथी विचारों को समाप्त करने का संकल्प लिया था जो भारत-यू.के. संबंधों को नुकसान पहुंचा सकते हों।

पार्टी अध्यक्ष एनालीज़ डॉट्ज़ ने घोषणा की कि लेबर पार्टी ने चरमपंथी विचारधारा वाले पार्टी सदस्यों को हटा दिया है। उन्होंने ब्रिटेन के भारतीय समुदाय का आव्हान करते हुए कहा था कि ''भारत विरोधी किसी भी घटना से उन्हें अवगत कराए जाने पर उस पर त्वरित कार्रवाई का वे वादा करती हैं।'' पार्टी का उद्देश्य लम्बे समय से अटके पड़े भारत-यू.के. एफ.टी.ए. पर काम करना और नवीन तकनीकियों, पर्यावरण तथा सुरक्षा सहयोग सहित इसका दायरा बढ़ाना है। आब्रजन की व्यापक चिन्ताओं के बावजूद उम्मीद है कि वीसा नीतियों, खासतौर पर यू.के. के सर्विस सैक्टर में इण्डियन वर्कर्स के लिए अस्थायी वीज़ा पर बातचीत की उम्मीद है।

यू.के. में भारतीय मूल की बढ़ती आबादी के मद्देनज़र लेबर पार्टी ने इस बार भारतीय मूल के कई उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा था।

राहुल गांधी हाथरस पहुंचे, पीड़ित परिवारों से मुलाकात की

हापुड़/नयी दिल्ली, 05 जुलाई। लोकसभा में विपक्ष की नेता तथा पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी आज सुबह उत्तर प्रदेश के हाथरस शहर पहुंचे जहां उन्होंने पीड़ित परिजनों से मुलाकात कर ढ ांढ स बंधाया और राज्य सरकार से खुले दिल से पीड़ितों को अनुग्रह राशि देने की मांग की। गांधी ने पीड़ित परिवारों के लोगों से मिलकर बात की और भगदड़ के कारण तथा परिवारों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। गांधी ने कहा, हाथरस हादसे के पीड़ित परिवारों से मिला, ''उन्हें ढ ांढ स बंधाया और हिम्मत दी। कांग्रेस दुख की इस घड़ी में हाथरस के पीडित परिवारों के साथ खड़ी है।'' उन्होंने कहा, पीड़ित परिवारों को सही मुआवज़ा मिलना चाहिए। ये लोग गरीब हैं। इनके मुश्किल वक्त में हम इनके साथ खड़े हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को खुले हृदय से इन लोगों की पूरी तरह से आर्थिक मदद करनी चाहिए।

दोनों राजधानियों, लंदन व वॉशिंगटन में दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खो चुके थे। उनके इस्तीफे के तुरंत बाद, लिज़ ट्रस ने प्रधानमंत्री का पद संभाला था।

लेकिन, अपने टैक्स प्रोग्राम्स और अस्त-व्यस्त आर्थिक स्थिति के कारण उन्हें भी पद छोड़ना पड़ा। तब ऋषि सुनक ने पद संभाला।

सुनक एक प्रोफैशनल थे और सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री थे और पद छोड़ते हुए भी वो सबसे कम उम्र के पूर्व प्रधानमंत्री होंगे। तथापि, बोरिस जॉनसन के समय, चांसलर ऑफ द एक्सचैंजर के पद का अनुभव होने के बावजूद वो देश की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में असफल रहे, कीमतें आसमान छू रही थीं और आम आदमी भारी कठिनाइयां झेल रहा था।

इस कष्टकारी समय में, जनता के मन में उनकी व्यक्तिगत संपत्ति का बोध बहुत स्पष्ट था, और यह भी कि, उनकी पत्नी ब्रिटेन की सबसे अमीर महिला हैं। सुनक ने कोविड प्रतिबंधों के कारण काम नहीं कर पा रहे लोगों को समर्थन देकर बहुत अच्छा काम किया था। लेकिन, कोविड के बाद उन्हें टैक्स बढ़ाने पड़े।

इसी बीच चर्चा है कि उनकी पत्नी टैक्स अदायगी से बचने के लिए ब्रिटेन में कानूनी रास्ते तलाश रही हैं। उनकी दौलत और शैक्षणिक पृष्ठभूमि उन्हें आम लोगों से अलग करती है।

अमेरिका में डॉनल्ड ट्रम्प के साथ बहस में जो बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद डैमोक्रेटिक पार्टी में बाइडन की जगह कमला हैरिस को प्रत्याशी बनाए जाने की चर्चा चल रही है।

स्थिति यह है कि पार्टी में हैरिस के ''रनिंग मैट'' की तलाश हो रही है। यह धारणा जोर पकड़ रही है कि ट्रम्प को हैरिस ही सही जवाब दे सकती है। बाइडन के साथ प्रचार दौरान वे यह काम बखूबी कर रही हैं।

ट्रम्प खेमे को भी यही उम्मीद है इसलिए ट्रम्प ने हैरिस पर हमले तीव्र कर दिए हैं इसके अलावा जैसे ही हैरिस को बाइडन की जगह दावेदार बनाया जाता है वैसे ही बाइडन का प्रचार फंड, विशेषज्ञ टीम व स्टाफ सब हैरिस को मिल जाएगा।

एक विशेषज्ञ ने कहा कि हैरिस को प्रत्याशी घोषित करना, जबकि चुनावों में बहुत कुछ दांव पर लगा है, जीतने की रणनीति है। ट्रम्प विरोधी गठबंधन डैमोक्रेटिक पार्टी के रनिंग मेट व उपराष्ट्रपति की ताकत को कमतर आंकना वहन नहीं कर सकता है। वह जीत का एकमात्र यथार्थ विकल्प है।

अगर हैरिस जीत गई तो वह इतिहास रचेंगी। वह पहली एशियन होंगी जो अमेरिका की राष्ट्रपति बनेंगी तथा पहली महिला राष्ट्रपति भी होंगी। भले ही अभी ऐसा नहीं हो, पर एक दिन अवश्य होगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600